मैं मंगती तेरे दरबार दी किसे कम दी ना, किसे कार दी, Bhajans Bhakti Songs

मैं मंगती तेरे दरबार दी
किसे कम दी ना, किसे कार दी,
मैं मंगती तेरे दरबार दीकोई गुण नहीं पल्ले, मैं अवगुण हारी
दुखा दी मारी माँ मैं दुखेयारी
मेनू दुनिया है दुत्कारदी
मैं मंगती तेरे दरबार दी… मैं करमा मारी, मेनू चरनी ला ले
नी मेरा होर ना कोई मेनू अपना बना ले
तू ते सब दे भाग सवारदी
मैं मंगती तेरे दरबार दी…जन्मा तो प्यासी मेरी रूह कुर्लावे
मेरे चंचल मन नु माँ चैन न आवे
मेनू तलब तेरे दीदार दी
मैं मंगती तेरे दरबार दी… हे जग दी दाती, मेरा मान न तोड़ी
इस चंचल नु माँ, खाली ना मोड़ी
तैनू सोह बचेया दे प्यार दी,
मैं मंगती तेरे दरबार दी…इस दी माया समझ ना औदी है
अपनी लीला अजब दिखांदी है
सारी दुनिया दी हुकामराह हो के
अपने बचेया तो हार जांदी हैश्रधा दे नाल मना लिता

दस तू जीतिओ के मैं जितेया
जो मंगेया सी ओह पा लिता
मैं मंगती तेरे दरबार दी…मैया तू सब तो आली है
तू सारे जग दी वाली है
मैं वि ते चाकर दर दा हां
दिन रात ही सेवा करदा हां
सेवा नाल तैनू पा लिता
दस तू जीतिओ के मैं जितेया…तू पुचेया ते मैं चुप रहा
ना अपने दिल दा हाल कहा
दिल बोलेया तू पहचान गयी
सब दिल दीया गलां जान गयी
बिन मंगेया सब कुछ पा लिता
दस तू जीतिओ के मैं जितेया…

Source: https://www.bharattemples.com/mai-mangti-tere-darbaar-di/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw